ICAI द्वारा दिल्ली में आयोजित दीक्षांत समारोह 2019

30 अगस्त 2020

आज, युवा चार्टर्ड एकाउंटेंटों के दीक्षांत समारोह में भाग लेते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं दीक्षांत समारोह को सिद्धि दिवस के रूप में देखता हूँ। आज का दिन आपकी बरसों की साधना की सिद्धि का दिन है। आज आपके जीवन का निर्णायक मौका है। आपके जीवन के इस महत्वपूर्ण अवसर का साक्षी बनकर मुझे काफी गर्व हो रहा है।

यह देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षा है तथा बहुत ही कठिन परिश्रम के बाद आपको चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का अवसर मिला है।

आज दीक्षित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को इस सम्मानित और कठिन परीक्षा में पास करके चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने के उपलक्ष्य में मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

वर्ष 1949 में संसद द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट अधिनियम के तहत ICAI की स्थापना की गई। ICAI देश का एक प्रमुख लेखा संस्थान है। इस संस्थान ने भारतीय अर्थव्यवस्था क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने अर्थव्यवस्था में Ethical Practices के लिए मानकों को निर्धारित करने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

यह दुनिया के सबसे बडे लेखा संस्थानों में से एक है जिसकी विश्वसनीयता और प्रामाणिकता प्रमाणित है एवं इस पर देश और विदेश में कभी कोई सवाल नहीं उठे।

साथियो, देश की संसद ने आपको **"बही को सही"** करने का अधिकार और महान दायित्व दिया है। इसके लिए आपको पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करना होगा।

देश के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए आर्थिक शुचिता पहली शर्त है। और यह तभी संभव होगा जब आप लोग नि:स्वार्थ भाव से देश हित में जनकल्याण के लिए कार्य करेंगे।

आज चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (CA) वित्त और लेखा के मामलों में व्यावसायिक संगठनों की रीढ़ हैं। इसके साथ-साथ वे व्यवसाय सलाहकार, रणनीतिकार और अग्रणी प्रशासकों के रूप में भी महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं।

वे अर्थव्यवस्था और व्यापार के क्षेत्रों में अग्रणी प्रबंधकों के रूप में भी योगदान दे रहे हैं और बहु-आयामी भूमिका निभा कर राष्ट्रों का नाम रोशन कर रहे हैं।

चार्टर्ड एकाउंटेंट जहां देश के राजकोष के रक्षक हैं वहीं देश की जनता और सरकार के कुशल वित्त प्रशासन पर पैनी नजर भी रखते हैं।

आज की खुली अर्थव्यवस्था में देश की आर्थिक गतिविधियों में चार्टर्ड अकाउंटेंट का बहुत बडा योगदान है।

सरकार का एक लक्ष्य स्थिर आर्थिक विकास प्राप्त करना है। अगले पांच सालों के दौरान अर्थव्यवस्था के आंकडे को 5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर तक बढाने का लक्ष्य है। इसमें लेखांकन और वित्तीय सेवाओं का भी बहुत बडा योगदान है।

मुझे विश्वास है कि आपको जिस तरीके का प्रशिक्षण एवं शिक्षा मिली है उसकी सहायता से आप व्यावसायिक परिदृश्य को बदलने के लिए अनुकूल होंगे और पूर्ण नैतिकता के साथ देश के आर्थिक युग में परिवर्तन करेंगे।

हमारी अर्थव्यवस्था मिश्रित अर्थव्यवस्था है। जिसमें आर्थिक विकास के साथ-साथ सकारात्मक रूप से सामाजिक पहलुओं को भी देखा जाता है। उसमें भी आपका बहुत बडा योगदान है।

केवल धन कमाना हमारी अर्थव्यवस्था का उद्देश्य नहीं है। देश में सामाजिक कल्याण के माध्यम से सामाजिक जीवन में परिवर्तन लाना भी आपके व्यवसाय का लक्ष्य है।

इसलिए यदि हम देश के युवाओं को, छात्रों को प्रशिक्षित और कुशल बनाएंगे तभी आर्थिक और सामाजिक रूप से नए भारत के सपने को पूरा कर पाएंगे।

आज डिजिटल क्रांति और सूचना तकनीक का युग है जिन्होंने अर्थव्यवस्था को नई उडान दी है। डिजिटल क्रांति से नए नवाचारों और नए उद्योग और व्यापार के तरीके को हमने अपनाना शुरू किया है।

इससे हमारी अर्थव्यवस्था में अधिकतम बदलाव आया है। चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने भी अधिकतम डिजिटल तकनीक का उपयोग करके आर्थिक परिवर्तन के नए युग की शुरूआत की है।

आने वाले समय में आप वित्तीय प्रशासन सेवा के अधिकारी, राजनेता, विदेश-सेवा में, पुलिस सेवा में एवं अन्य सम्मानित पदों पर कार्य करेंगे। वहां पर निश्चय ही आप एक नए परिवर्तन का अध्याय शुरू करेंगे।

इसलिए मैं चाहूंगा कि जिस कठिन परिश्रम से आपने शिक्षा अर्जित की है, जितना आत्मविश्वास आप में हैं, उसी के अनुरूप आप अपना सर्वश्रेष्ठ अपने कार्य क्षेत्र में देंगे।

हमारे देश के महान चिन्तक स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि - "मुझे अपने देश में और विशेष रूप से अपने देश के युवाओं में विश्वास है।"

आप अपने को **"विचारशील व्यक्ति (Thoughtful Leader)"** बनाने की कोशिश करें। अपने विचारों को विस्तृत होने दीजिए और अपने पंखों को भी विस्तार दीजिए। तभी सारा आकाश आपका होगा।

आज यहां दीक्षित छात्र-छात्राएं भारत और देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए अपने करियर की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

अंत में, आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं।